THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF FOOD PROCESSING INDUSTRIES (SHRI TARUN GOGOI): (a) to (c) The Ministry of Food Processing Industries provides financial assistance under its Developmental Plan Schemes being implemented during the 8th Plan period, to promote Food Processing Industries. Such assistance is provided to State Government Organisations / Cooperatives/Voluntary Agencies, etc. One of the schemes for fruits & vegetable processing provides higher limit of assistance for setting up/expansion of units in industrially backward areas.

During 1994-95, an amount of Rs. 3.00 lakhs has been provided for setting up of Food Processing and Training Centre in Haryana, which is in the process of being implemented.

(d) No, Sir.

(e) Does not arise.

**खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों द्वारा हानिकारक तत्वों का उपयोग**

**3625. श्रीमती सुषमा स्वराज :**
**श्री राम जेठमलानी:**

क्या **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 10 नवम्बर, 1994 के "डेली टेलीग्राफ" में "इन्वायटिंग स्लो ब्रायजलिंग एंड डैथ" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों द्वारा कई ऐसे तत्वों का उपयोग किया जा रहा है जो स्वास्थ्य के लिये हानिकारक हैं और जिन पर अन्य विकसित देशों में प्रतिबंध लगा हुआ है; और

(ग) यदि हां, तो सरकार की इस संबंध में क्या प्रतिक्रिया है ?

**खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री तरुण गोगोई) :** (क) से (ग) : सूचना एकत्र की जा रही है तथा सभा पटल पर रख दी जायेगी।

**दुग्ध उत्पादों का निर्यात**

**3626. श्रीमती सुषमा स्वराज :**
**श्री राम जेठमलानी:**

क्या **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने दुग्ध उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिये गत तीन वर्षों के दौरान देश के खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को अनेक सुविधायें प्रदान की हैं;

(ख) यदि हां, तो उन सुविधाओं का ब्यौरा क्या है और सरकार ने वे सुविधायें कब प्रदान की ;

(ग) क्या यह सच है कि इन सुविधाओं के कारण देश के दुग्ध उत्पादों के निर्यात में हाल ही के वर्षों में भारी वृद्धि हुई है ;

(घ) यदि हां, तो वर्ष 1991-92 और 1993-94 के दौरान निर्यातित दुग्ध उत्पादों के नाम क्या-क्या हैं उनका मूल्य और मात्रा कितनी-कितनी है तथा आठवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त तक इनके निर्यात हेतु निर्धारित लक्ष्य कितना है ;

(ङ) क्या सरकार ने दुग्ध उत्पादों के निर्यात के भावी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये देश में दुग्ध उत्पादन का लक्ष्य भी निर्धारित किया है; और

(च) यदि हां, तो दुग्ध उत्पादन का लक्ष्य कितना है और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के हमारे प्रयासों के परिणामस्वरूप देश में प्रति दुधारू पशु द्वारा दिये जाने वाले दूध की मात्रा का दैनिक औसत कितना होगा और यह औसत वर्ष 1993-94 की औसत से कितना प्रतिशत अधिक होगा?